दैनिक राष्ट्रीय जनवक्ता

लेख , कविताएं एवं विज्ञापन प्रकाशनार्थ आदि के लिए स्थानीय संपादक इफ्तेखार उद्दीन खान से संपर्क करें
मो. 9977442619
9425442435

राष्ट्रीय जनवक्ता

डाक पंजीयन क्रमांक मप्र/भोपाल/39/21-23 RNI. No.MPHIN/2005/24545

राजगढ़ जिले का प्रमुख दैनिक समाचार पत्र

दैनिक राष्ट्रीय जनवक्ता

लेख , कविताएं एवं विज्ञापन प्रकाशनार्थ आदि के लिए उप संपादक कमरूउद्दीन खान से संपर्क करें
मो. 9340636911
9425442435
आनंद एक्सीलेंस कॉलेज के सामने, वार्ड नं. 2, ब्यावरा (राजगढ़) मप्र

वर्ष-21 अंक- 289 (सांध्य दैनिक) राजगढ़, सोमवार 28 अप्रैल 2025 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रूपया

देश का खौल रहा है खून, दिया जाएगा कठोर जवाब

● मोदी बोले-पहलगाम पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा ● मन की बात में कहा-साजिश करने वाले नहीं बचेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रेडियो शो 'मन की बात' के 121वें एपिसोड की शुरुआत पहलगाम में मारे गए लोगों को याद करते हुए की। उन्होंने कहा- इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। पूरे विश्व ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले से देश के लोगों का खून खौल रहा है। पीड़ित परिजनों को न्याय जरूर मिलेगा। मोदी ने कहा- कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेज अच्छे से चल रहे थे, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। पीएम ने पीड़ित परिवारों को न्याय का भरोसा दिया। कहा- इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोर जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है। भले वह किसी भी राज्य का हो, वह कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वह उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। मुझे अहसास है कि हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। पहलगाम में हुआ यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है,उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक वाइब्रेंसी थी,

निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया।

● 1917 के 'चंपारण सत्याग्रह' को किया याद

चंपारण सत्याग्रह पर मोदी बोले ये बापू का भारत में पहला बड़ा प्रयोग था। बापू के सत्याग्रह से पूरी अंग्रेज हुकूमत हिल गई थी। मोदी ने इस सत्याग्रह में अहम भूमिका निभाने वाले डॉ राजेन्द्र प्रसाद को भी याद किया। मोदी ने युवाओं को डॉ राजेन्द्र प्रसाद की किताब 'सत्याग्रह इन चंपारण' पढ़ने की सलाह दी। दांडी यात्रा और जलियांवाला बाग नरसंहार की बात की। मोदी ने कर्नाटक के बागलकोट में रहने वाले श्री शैल तेली जी के मैदानों में सेब उगाने की तारीफ की। वायनाड में एरोपोनिक्स टैकनिक से केसर उगाने में और दक्षिण भारत में लीची उगाने को दूसरे किसानों के लिए प्रेरणादायक बताया।

भारत के युवाओं ने पूरी दुनिया का नजरिया बदला

मोदी ने भारत के युवाओं की प्रतिभा की बात करते हुए कहा- भारत के युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया है। भारत का युवा, साइंस और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे इलाके, जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और दूसरे कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जो हमें, नया विश्वास देते हैं। स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोला- मोदी बोले भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया है। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्टअप में नए झंडे लहरा रहे हैं। 10 साल पहले इस क्षेत्र में सिर्फ एक कंपनी थी, लेकिन आज देश में, सवा तीन सौ से ज्यादा कंपनी काम कर रहे हैं। पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप को लेकर कहा- भूकंप की खौफनाक तस्वीरें आपने जरूर देखी होंगी। भारत ने मदद में देरी नहीं की।

जम्मू-कश्मीर में 5 साल में 84 हजार करोड़ का निवेश

पर्यटन से 18 हजार करोड़ कमाएं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 2019 के बाद हालात तेजी से सुधर रहे हैं। राज्य की मौजूदा जीडीपी औसत 8.5 फीसदी दर से बढ़ रही है। पिछले 5 सालों में 84 हजार करोड़ का निवेश प्रस्ताव आया है। वहीं 2024 में राज्य को पर्यटन से 18 हजार करोड़ रुपए का रेवेन्यू

मिला। जम्मू-कश्मीर करीब 35 सालों से आतंकवाद झेल रहा है। इसकी वजह से अब तक 40 हजार से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी है। साथ ही लाखों लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। इसकी वजह से राज्य की डेमोग्राफी बदल गई। राज्य में हुई हिंसा और अस्थिरता के माहौल का सबसे ज्यादा असर विकास पर पड़ा। 2019 में आर्टिकल 370 हटने के बाद राज्य के हालात सुधर रहे थे। लेकिन पहलगाम हमले की वजह से विकास प्रभावित होता दिख रहा है।

लॉरेंस मामले में पंजाब के 5 पुलिसकर्मियों का यूटर्न

इंटरव्यू मामले में लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने से इनकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के पांच कांस्टेबल सिमरनजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, बलविंदर सिंह, सतनाम सिंह और अमृतपाल सिंह ने पुलिस हिरासत में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के फिल्माए गए इंटरव्यू की जांच के संबंध में लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने से अपनी सहमति वापस ले ली है। उन्होंने दावा किया कि सहमति दबाव में ली गई थी। ये मामला

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पुलिस हिरासत में इंटरव्यू रिकॉर्ड करने से जुड़ा है। पहले तो ये सब पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए राजी हो गए थे। मोहाली की एक अदालत ने इसकी इजाजत भी दे दी थी। लेकिन बाद में, उन्होंने एक अर्जी दाखिल की। इसमें उन्होंने कहा कि उनसे दबाव में सहमति ली गई थी। उनकी बातों को सुनने के बाद, मोहाली के एक जज ने टेस्ट की इजाजत देने वाले पहले के आदेश पर रोक लगा दी है।

लव मैरिज से नाराज पिता ने बेटी-दामाद को गोली मारी

जलगांव में रिश्तेदार की शादी में की फायरिंग, बेटी की मौत

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में लव मैरिज से नाराज पिता ने बेटी और दामाद को गोली मार दी। बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दामाद गंभीर रूप से घायल है। घटना चोपड़ा शहर की है। घटना के बाद शादी में मौजूद लोगों ने किरण मंगले को पकड़ लिया और बुरी तरह पीटा। पुलिस ने किरण को हिरासत में ले लिया और इलाज के लिए

अस्पताल भेज दिया। आरोपी किरण मंगले सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स में रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर है। उसकी बेटी तृप्ति ने एक साल पहले अविनाश से शादी की थी। शादी के बाद से दोनों पुणे में रह रहे थे। रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आया था कपल 26 अप्रैल की रात तृप्ति और अविनाश एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आए थे। इसकी जानकारी मिलने के बाद मंगले शादी स्थल पर बंदूक लेकर पहुंचा। उसने अपनी बेटी और दामाद को देखते ही गोली चला दी, जिससे तृप्ति की मौत हो गई।

एमपी में 5 फीसदी बढ़ा महंगाई भत्ता, अब 55 फीसदी मिलेगा

● सीएम डॉ. यादव ने की घोषणा, कर्मचारियों के प्रमोशन को लेकर कहा- जल्द शुरू करेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश के 7.30 लाख कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) 5 प्रतिशत बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दिया है। मध्यप्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह घोषणा की। सरकार पर 175 करोड़ का अतिरिक्त भार आएगा। सीएम ने कहा, कर्मचारियों के प्रमोशन की मांग लंबे समय से चल रही है। 2016 से यह मांग लंबित है हम प्रयास कर रहे हैं कि सभी कर्मचारियों के सभी वर्गों के प्रमोशन जल्द से जल्द हो सके। सीएम ने कहा, सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए 2024 से 3त्न और 1 जनवरी 2025 से 2 फीसदी महंगाई भत्ते की अतिरिक्त किस्त मंजूर की गई है। अब इनका महंगाई भत्ता केंद्रीय कर्मचारियों के समान 55 प्रतिशत हो गया है। एरियर की राशि का भुगतान पांच समान किस्तों में जून

2025 से अक्टूबर 2025 तक कर दिया जाएगा। सीएम ने कहा, बहुत जल्द सभी वर्गों का प्रमोशन शुरू किया जाएगा। 2016 से प्रमोशन का मामला कई कारणों से मामला उलझा हुआ है। ऐसे में हमारी मंत्रिमंडल की एक समिति बनाई गई थी। अधिकारियों के सभी वर्गों से बात कर रहे हैं कि बीच का रास्ता निकाला जाए। मैं मानकर चलता हूं कि हमारे भगवान महाकाल चाहेंगे तो जल्दी वह समय आएगा।

पाकिस्तानी नागरिकों को एमपी से जल्द बाहर करें: सीएम

भोपाल। पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के केंद्र सरकार के निर्देश के बाद मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार एक्शन में आ गई है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पाकिस्तानी वीजाधारक नागरिकों को पहचान कर कार्रवाई की जाए। केंद्र सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा- लंबी अवधि के वीजा, राजनयिक वीजा और आधिकारिक वीजाधारकों के अतिरिक्त सभी पाकिस्तानी नागरिकों को प्रदेश से बाहर करने की कार्रवाई अभियान चलाकर करें। ऐसे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को प्रदेश से बाहर करने में लापरवाही न की जाए। सीएम डॉ. यादव ने प्रदेश में कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए गृह मंत्रालय से जारी निर्देशों को सख्ती से लागू करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में हुई बैठक में निर्देश दिए हैं कि प्रदेशभर में शिक्षण संस्थाओं पर नजर रखी जाए।

एमपी में कुएं में गिरी कार, 10 लोगों की मौत

● बचाने उतरे युवक की दम घुटने से गई जान

भोपाल (एजेंसी)। एमपी के मंदसौर जिले के नारायणगढ़ में एक दुखद घटना हुई। कचरिया चौपाटी पर एक कार कुएं में गिर गई। हादसे में बाइक सवार समेत 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में कार सवारों को बचाने के लिए कुएं में उतरा ग्रामीण मनोज सिंह भी शामिल है। 2 शव कुएं से निकाल लिए गए हैं। क्रेन से वैन को भी निकाला गया है। घायलों 3 साल की बच्ची समेत चार लोगों को रेस्क्यू करके मंदसौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक सवार की पहचान आबाखेड़ी निवासी गोबर सिंह के तौर पर हुई है। बाकी की शिनाख्त कराई जा रही है। हादसा जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में बूढ़ा-टकरावत फंटे में रविवार दोपहर करीब सवा एक बजे हुआ। वैन में 10 से ज्यादा लोग सवार थे, जो उज्जैन जिले के उन्हेल से नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के आंतरी माता मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। एसडीओपी, थाना प्रभारी और एसडीएम

सहित कई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया। क्रेन की मदद से लोगों को बाहर निकालने की कोशिश भी चल रही थी।

बीजापुर की पहाड़ियों में माओवाद के खिलाफ शुरू हुआ अभियान

● 7,000 जवानों की घेराबंदी से नक्सली हुए कमजोर, बुरे हैं हालात

रायपुर (एजेंसी)। पिछले छह दिनों से सुरक्षा बलों ने बीजापुर की करेंगुट्टा पहाड़ियों को घेर रखा है और पूरी रणनीति के साथ उस पर चढ़ाई कर रहे हैं। यह पहाड़ियां करीब 700 मीटर ऊंची हैं और तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर लगभग 20 किलोमीटर तक फैली हुई हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इन पहाड़ियों में माओवादी नेतृत्व के प्रमुख सदस्य छिपे हुए हैं, जिन्हें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) की सबसे खतरनाक इकाई, बटालियन-1 द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि दंडकारण्य में यह अभियान 2024 में शुरू हुए नक्सल विरोधी अभियानों का सबसे बड़ा कदम हो सकता है, जिसमें अब तक 363 माओवादी मारे गए हैं और माओवादी नेताओं को पहाड़ियों में खदेड़ दिया गया है। अभियान में शामिल एक शीर्ष अधिकारी ने बताया,यह इलाका पहले गुप्त बैठकों के लिए इस्तेमाल होता था, लेकिन कभी बटालियन का स्थायी ठिकाना नहीं था। लगातार अभियानों ने उन्हें मजबूर कर दिया कि वे इन दुर्गम पहाड़ियों में शरण लें, जहां उनके पास कोई और विकल्प नहीं बचा है।

नशा, रेप, वीडियो और ब्लैकमेल, बहुत गहरा है राज

● कॉलेज की लड़कियों को निशाना बनाता था भोपाल का फरहान गैंग

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से खौफनाक जानकारियां सामने आ रही हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि फरहान खान और उसके साथियों ने कॉलेज की कई लड़कियों को अपना शिकार बनाया। मामले का खुलासा तब हुआ जब बीटेक कर रही दो बहनों ने पुलिस को आपबीती सुनाई। कॉलेज में पढ़ने वाली दो बहनों के साथ हुई रेप की घटाना की जांच में चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। फरहान खान नामक युवक अपने साथियों के साथ मिलकर गंदा खेल

खेलता था। ये लोग कॉलेज की छात्राओं को नशीला पदार्थ देकर रेप करते थे। उसका वीडियो बनाते थे और फिर ब्लैकमेल कर बार-बार अपनी हवस का शिकार बनाते थे। यहां तक कि लड़कियों को धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव भी डालते थे। फरहान खान नामक लड़के के नेतृत्व में कई मुस्लिम लड़के कॉलेज की लड़कियों को अपना शिकार बनाते थे। इस गिरोह की कारगुजारी तब सामने आई जब भोपाल के एक कॉलेज में बीटेक कर रही दो बहनों ने पुलिस को अपने साथ हुई दर्दनाक घटनाओं के बारे में बताया।

धर्म परिवर्तन के लिए बनाते थे दबाव, बदनाम करने की धमकी- बड़ी बहन के साथ 2022 में जहांगीराबाद के एक घर में रेप किया गया था। बाद में छोटी बहन को धमकाकर उसका भी रेप किया गया। उसके बाद दोनों पर शादी और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला गया। उनके विरोध करने पर उन्हें बदनाम करने की धमकियां दी गईं। फरहान ने छोटी बहन को अपने साथी आदिल खान से मिलवाया, जिसने उसके साथ रेप किया और उसका वीडियो बना लिया। वीडियो का इस्तेमाल ब्लैकमेल और बाप-बार रेप करने के लिए किया गया। ये लोग लड़कियों को नशा खिला देते थे फिर उसके साथ रेप कर वीडियो बना लेते थे। फरहान का फोन जब्त करने पर पुलिस को दोनों बहनों के कई अश्लील वीडियो मिले। फरहान के फोन पर मिले वीडियो से भयानक विवरण सामने आए है। इसमें एक पीड़िता को सिगरेट से जलाते हुए देखा गया है। पुलिस ने कहा कि फरहान ने अपने फोन पर वीडियो को खास फोल्डर में सेव किया है।

आधार-पैन में अब एक साथ बदलेगा नाम और नंबर

तीन दिन में अपडेट होंगे डॉक्यूमेंट, नहीं काटने होंगे कई दफ्तरों के चक्कर सरकार की यूनिफाइड डिजिटल आईडेंटिटी सिस्टम लागू करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधार, पैन, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस आदि में नाम, पता, मोबाइल नंबर बदलवाने के लिए लोगों को अब अलग-अलग दफ्तरों में चक्कर नहीं काटने होंगे। केंद्र सरकार यूनिफाइड डिजिटल आईडेंटिटी सिस्टम लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए बन रहे पोर्टल पर लोग एक ही जगह पता, नंबर आदि अपडेट कर सकेंगे। सभी जरूरी पहचान पत्रों में यह बदलाव ऑटोमैटिक अपडेट हो जाएगा। यह पोर्टल कैसे करेगा काम पोर्टल को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि आधार, पैन, ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट जैसे सभी पहचान पत्र एक साथ इंटीग्रेटेड रहें। अपडेट के लिए पोर्टल पर जाकर विकल्प चुनना होगा। जैसे- मोबाइल नंबर बदलने के लिए अलग विकल्प, पता बदलने के लिए अलग विकल्प। संबंधित दस्तावेज अपलोड करने होंगे। बदलाव तीन वर्किंग डेज में सभी दस्तावेजों में अपडेट हो जाएगा। बदलाव के साथ नया पहचान पत्र हासिल करने के लिए भी इस पोर्टल पर एक विकल्प होगा। इसके लिए पोर्टल पर शुल्क देने के साथ आवेदन करना होगा। 7 वर्किंग डेज में नए अपडेट के साथ पहचान पत्र डाक के जरिए लोगों के घरों तक पहुंच जाएगा। जो कार्यालय में जाकर पहचान पत्र हासिल करना चाहेंगे, उनके लिए भी विकल्प।

पति को गोली मारने वाले आतंकी को पत्नी ने पहचाना

● सूरत की शीतलबेन बोलीं-करीब आकर गोली मारी, फिर दो-तीन मिनट तक देखता रहा

सूरत (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। इसमें सूरत के शैलेश कलथिया भी शामिल थे। शैलेश परिवार के साथ छुट्टी मनाने पहलगाम पहुंचे थे। हमले में शैलेश की पत्नी और बेटा-बेटी बच गए। आतंकियों की तस्वीर सामने आने के बाद शीतलबेन ने उस आतंकी को पहचान लिया, जिसने उनकी और बच्चों के आंखों के सामने पति को गोली मारी थी। जिन चार आतंकवादियों की तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें से दाईं ओर से दूसरे आतंकी ने ही शैलेष के सीने में गोली मारी थी। इन आतंकियों के खिलाफ 20-20 लाख रुपए का इनाम रखा गया है। शीतलबेन ने बताया- जब वे भागने की कोशिश कर रहे थे, तब यही आतंकी दौड़कर उनके सामने आकर खड़ा हो गया था। इसके बाद उसने दो-तीन फीट की दूरी से शैलेष के सीने में गोली मार दी थी। शीतलबेन ने बताया कि तस्वीर में नीले रंग का कपड़े पहना आतंकी उस समय हरे रंग का कुर्ता-पायजामा और कोट पहने था। सिर पर टोपी भी थी। उस दौरान उसने कंधे पर एक कैमरा भी टांग रखा था।

हम तो लिबरल थे, पश्चिमी देश लेकर आए जिहाद

● पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के नए दावे से दुनिया भर में खलबली ● पाक रक्षा मंत्री का आरोप-कट्टरता के लिए अमेरिका जिम्मेदार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना है कि उनके देश को कट्टरता के रास्ते पर धकेलने का काम अमेरिका और पश्चिम के देशों ने किया है। आसिफ का कहना है कि पाकिस्तान की लिबरल सोसायटी में जिहाद जैसी अवधारणा पश्चिम ने पैदा की। आसिफ ने 80 और 90 के दशक में अमेरिका की अफगानिस्तान में एंट्री को पूरे क्षेत्र में धार्मिक कट्टरता आने की वजह कहा है। आसिफ ने ये भी माना है कि पाकिस्तान में आतंक को

शह मिलती रही है।

पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका पर उठे सवालों के बीच आसिफ ने ये कहा है। ख्वाजा ने पाकिस्तान में आतंक के सवाल पर कहा कि हमारे देश में तब तक कोई चरमपंथ नहीं था, जब तक वह जिहाद का समर्थन करने के लिए पश्चिमी गठबंधन में शामिल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमारा समाज कट्टर नहीं था, हमारी सोसायटी बहुत समावेशी थी लेकिन फिर एक माहौल बना कि जिहाद का समर्थन करें। ये दरअसल जिहाद भी नहीं था, ये संघर्ष था।

संक्षिप्त समाचार

नरवाई प्रबंधन के सहभागी बन रहें किसान

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि नरवाई जलाएं नहीं, जलाने से होने वाले दुष्परिणामों से बचने के लिए नरवाई वाले खेतों में कल्टीवेटर के माध्यम से नरवाई प्रबंधन के लिए कृषि विभाग के माध्यम से क्रियान्वित योजनाओं का लाभ उठाएं। कलेक्टर की पहल और अपील का किसानों की मनोदशा में परिवर्तन दिखने लगा है। नटेरन तहसील की ग्राम पंचायत जोहद में कृषक श्री दुर्गेश सिंह राजपूत द्वारा नरवाई प्रबंधन अभियान के सुझावों पर अमल करते हुए अपना सहयोग देकर अन्य के लिए अभिप्रेरित कर रहे हैं। कृषक श्री राजपूत ने कल्टीवेटर के माध्यम से नरवाई प्रबंधन की कार्यवाही की गई है। फसल अवशेषों को मृदा में ही मिला दिया गया। उनके सराहनीय कार्यों से ग्राम पंचायत के अन्य कृषकगण भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। नरवाई नहीं जलाने और खेतों में कल्टीवेटर की मदद से नरवाई को खाद में परिवर्तित करने की पहल में सहभागिता निभा रहे हैं।

मोटराइज्ड ट्राईसिकल मिलने से दिव्यांग परगराम के चेहरे पर आई मुस्कान

रायसेन (निप्र)। सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के जीवन को सरल और सुगम बनाने तथा उनके कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिनका लाभ पाकर दिव्यांगजनों की कठिनाई दूर हो रही हैं। रायसेन जिले के बरेली निवासी दिव्यांग परगराम अहिरवार मोटराइज्ड ट्राईसिकल मिलने से बेहद खुश हैं। दिव्यांग परगराम कहते हैं कि बैटरी चलित ट्राईसिकल मिल जाने से उनकी कठिनाई दूर हो गई है। बैटरी चलित ट्राईसिकल की मदद से अब वह आसानी से आवागमन कर सकेंगे और अपने कामों को भी सुगमता से पूर कर पाएंगे। उन्होंने दिव्यांगजनों के हित के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

कलेक्टर से चयनित होने के उपरांत प्रशांत सौजन्य भेंट की

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता से गुरूवार को यूपीएससी में चयनित श्री प्रशांत धाकड़ ने चैम्बर में पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने श्री धाकड को बुके देकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। गौरतलब हो कि विदिशा जिले के शमशाबाद तहसील के ग्राम पाली निवासी प्रशांत धाकड़ ने पहली ही कोशिश में यूपीएससी परीक्षा पास की और 596वीं रैंक हासिल की है।

मौन धारण कर श्रृद्धांजलि अर्पित की

विदिशा (निप्र)। उच्च न्यायालय जबलपुर म.प्र. के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश विदिशा श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर विदिशा में न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं न्यायालय के कर्मचारीगण द्वारा जम्मू एण्ड कश्मीर के पहलगाम में मृत व्यक्तियों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनिट का मौन धारण कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विदिशा श्री जाकिर हुसैन, विशेष न्यायाधीश विदिशा श्री जीसी शर्मा एवं अध्यक्ष अभिभाषक संघ विदिशा श्री पीडी यादव द्वारा पीडितों और उनके परिवारों के प्रति एक जुटता व्यक्त करते हुये, पर्यटकों पर हुये कायरतापूर्ण आंतकी हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

बीरूल बाजार में कृषक संध्या का आयोजन

बैतूल (निप्र)। सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया एवं जिला प्रशासन बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में प्रभात पट्टन विकासखंड के ग्राम बीरूल बाजार में गुरुवार को कृषक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को विभागीय अधिकारियों ने शासकीय योजनाओं के बारे में अवगत कराया। इसके अलावा बैंक से संबंधित योजनाओं का लाभ कैसे ले सकते हैं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में नरवाई प्रबंधन, सुपर सीडर, स्ट्रा रीपर, केसीसी, नवीनीकरण पशुपालन केकेसी के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के अंत में नागरिकों एवं अधिकारियों द्वारा नरवाई न जलाने की शपथ भी ली गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री रजत मिश्रा, जिला अग्रणी प्रबंधक श्री आशुतोष कुमार सिंह, कृषि यंत्री बैतूल डॉ.प्रमोद मीणा, सहायक संचालक श्री सुरेंद्र परते, श्री रामवीर राजपूत विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी श्री पवन कवरेती एवं ग्राम सरपंच जीवन बनकर एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

आदिवासी परंपरा और हिंदू रीति-रिवाजों का संगम, गरीब परिवारों के लिए वरदान बनी योजना

काजली गांव में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 384 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह

बैतूल (निप्र)। आमला जनपद क्षेत्र के ग्राम काजली गांव में 25 अप्रैल को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 384 जोड़ों ने सात फेरे लिए। इस अवसर पर कुल 424 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 236 जोड़े आदिवासी समुदाय से थे। इन आदिवासी जोड़ों की शादियां पारंपरिक भुमका रीति-रिवाजों के अनुसार कराई गई, जबकि अन्य जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाजों से सम्पन्न हुआ। विवाह कार्यक्रम को सुरक्षित तरीके से आयोजित करने के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। साथ ही भोजन, आवास, मंच व्यवस्था और समस्त व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए अनुभागीय अधिकारी तथा अन्य जिम्मेदार अधिकारी लगातार मौजूद रहे। समारोह में विशेष रूप से भारत सरकार के जनजातीय कार्य केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके, आमला क्षेत्रीय विधायक योगेश पंडाग्रे, जनपद पंचायत के सीईओ एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुलताई में 288 जोड़ों ने लिए सात फेरे

मुलताई के चंदोरा खुर्द माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या योजना के अंतर्गत कुल आवेदन 317 में से 301 पात्र हितग्राही हुए, जिनमें 288 विवाह में शामिल हुए एवं 86 जनजातीय जोड़े शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, मुलताई विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी गण उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सैकड़ों सामूहिक विवाह सफलतापूर्वक संपन्न हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह देश विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं का एक गुलदस्ता है और इस विवाह समारोह ने इस विचार को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम में शामिल कई दुल्हनों ने बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी सशक्त नहीं थी कि वे सामाजिक रीति से विवाह कर सकें। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत उन्हें विवाह के साथ-साथ गृहस्थी की आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें एक नई शुरुआत करने में सहायता मिली। दुल्हनों ने कहा कि आज के समय में जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, तब इस तरह की योजनाएं गरीब वर्ग के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इससे उनके परिजन साहूकारों या कर्ज के जाल में फंसने से भी बच जाते हैं।

नरवाई जलाने पर सख्त हुआ जिला प्रशासनः 35 कृषकों पर एफआईआर, 47 पर जुर्माना

बैतूल (निप्र)। जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार हाल ही में जिले के विभिन्न ग्रामों में पराली नरवाई जलाने की घटनाओं के चलते 35 कृषकों के विरुद्ध संबंधित थाना क्षेत्रों में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके साथ ही 47 अन्य कृषकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग के आदेश क्रमांक एफ-12-37/2017/18-5 दिनांक 05 मई 2017 के अंतर्गत कुल 2 लाख 57 हजार 500 रूपए का जुर्माना आरोपित किया गया है।

सरकारी अमले पर भी गिरी गाज

न केवल कृषकों पर बल्कि प्रशासन ने अपने अधीनस्थ अमले पर भी सख्ती दिखाई है। नरवाई की घटनाओं की रोकथाम में लापरवाही बरतने के कारण 31 पटवारियों और 28 ग्राम पंचायत सचिवों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए एक-एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई है। इसके अलावा, 4 एसएडीओ और 4 कृषि विस्तार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन ने सचेत किया है कि यदि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं पुनः सामने आती हैं, तो दोषियों पर दीर्घकालिक कठोर दंड अधिरोपित किया जाएगा।

रोकथाम के लिए उठाए जा रहे कदम

नरवाई जलाने की रोकथाम के लिए कृषि विभाग द्वारा कृषकों को निरंतर जागरूक किया जा रहा है। वर्तमान में जिले में 14 सुपर सीडर/हैप्पी सीडर, 55 स्ट्रा रीपर और 250 रीपर-कम्बाइंडर मशीनों की सहायता से खेतों में कार्य कराया जा रहा है, जिससे पराली को जलाए बिना उसका निपटान किया जा सके। इसके अलावा अग्नि दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए वन अग्नि पोर्टल पर 12 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन कराए जा चुके हैं। इस पोर्टल पर पटवारी, पंचायत सचिव आदि को भी रजिस्टर्ड कराया जा रहा है, जिससे निगरानी व रिपोर्टिंग व्यवस्था को सशक्त किया जा सके। आगामी वर्षों में सुपर सीडर, हैप्पी सीडर और स्ट्रा रीपर जैसे यंत्रों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि जिले को नरवाई मुक्त बनाया जा सके।

वाहनों में अतिरिक्त पट्टा लगाकर हो रहा था अवैध परिवहन

खनिज विभाग ने अवैध परिवहन करते तीन डंपरों को किया जब्त

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शुक्रवार को खनिज विभाग ने वाहनों में अतिरिक्त पट्टा लगाकर गौण खनिज का अवैध परिवहन कर रहे तीन डंपरों को जप्त किया है।

जिला खनिज अधिकारी श्री मनीष पालेवार ने खनिज विभाग द्वारा शुक्रवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैतूल तहसील के अंतर्गत खनिज रेत का वाहनों में अतिरिक्त पट्टा लगाकर अवैध परिवहन कर रहे डम्पर क्रमांक एमपी 48 जेडई 9832 एवं एमपी 48 एच 1215 को खनिज नियमों के तहत जप्त किया जाकर पुलिस थाना गंज बैतूल की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। इसी प्रकार तहसील घोड़ाडोंगरी अंतर्गत खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे वाहन डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 0279 को खनिज नियमों के तहत जप्त किया जाकर पुलिस चौकी घोड़ाडोंगरी की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। उक्त वाहनों के वाहन चालकों, वाहन मालिकों के विरूद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत कर कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही निरंतर जारी है।

ईकेवाईसी एवं आयुष्मान कार्ड के लिए लगाए जा रहे हैं कैंप

इछावर जनपद सीईओ ने किया कैंप का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन के निर्देशानुसार जिले में विभिन्न स्थानों पर कैंप लगाकर हितग्राहियों की समग्र पोर्टल पर ईकेवाईसी की जा रही है तथा नागरिकों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही कैंप में पात्र हितग्राहियों को शासन की अन्य योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए भी पंजीयन किया जा रहा है। इसी क्रम में इछावर जनपद के ग्राम सेवनिया परिहार में कैंप आयोजित किया गया और राशन हितग्राहियों की ईकेवाईसी के साथ ही अन्य नागरिकों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। इछावर जनपद सीईओ श्रीमती शिवानी मिश्रा ने कैंप का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा संचालित समग्र आईडी की मदद से राज्य सरकार के पास राज्य के सभी नागरिकों का डाटा पहले से मौजूद होता है, जिसकी मदद से राज्य सरकार राज्य में कई तरह की कल्याणकारी योजनाओं को उपलब्ध करा पाती है।

इसकी मदद से नागरिकों के कई कार्य आसानी से संपन्न हो जाते हैं और किसी भी योजना के लिए उन्हें बार-बार रजिस्ट्रेशन करने की आवश्यकता नहीं पड़ता। समग्र ईकेवाईसी के तहत आधार-समग्र लिंक कराने से नागरिकों को कई लाभ होते हैं। इसका उपयोग सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का लाभ लेने, स्कॉलरशिप, पेंशन, और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए, राशन कार्ड और अन्य नागरिक सेवाओं, स्कूल/कॉलेज में प्रवेश के लिए, रोजगार पंजीयन के लिए, बिजली कनेक्शन एवं बिल भुगतान के लिए, पानी का कनेक्शन एवं बिल भुगतान के लिए, जाति प्रमाण पत्र एवं भूमि संबंधी लेन देन सहित अनेक सेवाओं को एक्सेस करने के लिए किया जा सकता है।

खाद्य अधिकारी ने भैंसदेही में खाद्य पदार्थों के लिए सैंपल

बैतूल (निप्र)। खाद्य सुरक्षा प्रशासन आयुक्त के निर्देशानुसार जिले में जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जंक फूड, फास्ट फूड और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की सघन जांच की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है।

इसी क्रम में अभिहित अधिकारी श्री शैलेंद्र बड़ोनिया के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती मीना कुमरे द्वारा गुरुवार को भैंसदेही स्थित महावती फूड हब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आदर्श चाइनीस सेंटर, बॉम्बे चौपाटी, सांवरिया भेल सेंटर, च्वाइस सेंटर, बमचक मसाला डोसा, भिलट चाइनीज, भैरवनाथ चाट सेंटर से मंचूरियन, नूडल्स, फ्राइड राइस, लस्सी, भेल चाट, गुपचुप का पानी, बादाम शेक, कुल्फी, बॉम्बे चौपाटी, आइसक्रीम से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। सभी एकत्रित नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने विक्रेताओं को हैंड ग्लव्स पहनने के निर्देश दिए

निरीक्षण के दौरान खाद्य विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने विक्रेताओं को हैंड ग्लव्स पहनने के निर्देश दिए। इसके अलावा, दुकानों पर डिस्प्ले बोर्ड, रेट लिस्ट और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने फूड कलर और फूड एडिटिव्स के अत्यधिक उपयोग से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और सलाह दी कि इनका प्रयोग न्यूनतम किया जाए। इससे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनी रहती है और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर नहीं पड़ता।

ग्राम पैमत में सेन्ट्रल बैंक द्वारा कृषक संध्या आयोजित

रायसेन (निप्र)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा विभिन्न ग्रामों में कृषक संध्या कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में रायसेन जिले में स्थित ग्राम पैमत में कृषक संध्या का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेंट्रल बैंक के अंचल प्रमुख श्री तरसेम सिंह जीरा के मुख्य आतिथ्य तथा क्षेत्र प्रमुख श्री संजीव कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्री दीपक पाटिल (डीडीएम नाबार्ड), डॉक्टर स्वप्निल दुबे प्राचार्य कृषि विज्ञान केंद्र, डॉ मंजू टोप्पो पशुपालन विभाग, श्री गौरीशंकर रैकवार कृषि विभाग एवं ग्राम पैमत के सरपंच श्री दिनेश भार्गव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सेंट्रल बैंक के अंचल प्रमुख श्री तरसेम सिंह जीरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह संध्या केवल एक औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि एक अवसर है।

किसानों से सीधा संवाद करने का, उनकी ज़रूरतों को समझने का और उन्हें वित्तीय रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने का। हमारे बैंक का उद्देश्य है कि हर किसान तक बैंकिंग सेवा की पहुंच हो। इस अभियान के माध्यम से हम किसानों को कृषि ऋण, बीमा योजनाओं, फसल ऋण, और सब्सिडी स्कीमों के बारे में जागरूक कर रहे हैं।

कार्यक्रम में क्षेत्र प्रमुख श्री संजीव कुमार ने कृषि उद्यमिता को प्रोत्साहन देने जैसे डेयरी, पोल्ट्री, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन आदि के लिए आसान ऋण सुविधा देने की बात कही। वहीं उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि किसान केवल खेत में मेहनत ही न करें, बल्कि अपने आर्थिक फैसले भी खुद ले सकें! आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनें। एलडीएम श्री एचएस सोनी ने बताया कि इस कृषक संध्या के आयोजन का उद्देश्य बैंक और किसान के बीच दूरी को समाप्त कर विश्वास का रिश्ता बनाना है। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक श्री एपी सिंह, मार्केटिंग प्रबंधक श्री सुनील सोन्हिया भी उपस्थित रहे।

रेशम उत्पादन से जनजातीय सुआ बाई बनी आत्मनिर्भर, अब नहीं करना पड़ रहा पलायन

बैतूल (निप्र)। बैतूल तहसील के ग्राम झाड़ेगांव की जनजातीय महिला श्रीमती सुआ बाई/बब्लू एक समय आजीविका के लिए अपने परिवार सहित सोयाबीन, मक्का एवं गेहूं की कटाई के मौसम में अन्य विकासखण्डों एवं जिलों में मजदूरी के लिए पलायन करने को मजबूर थी। लेकिन शासन की स्वावलंबन योजना ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। वर्ष 2021-22 में श्रीमती सुआ बाई को शासकीय रेशम केन्द्र झगड़िया में 1 एकड़ भूमि भोगाधिकार स्वरूप आवंटित की गई। इस भूमि पर उन्होंने शहतूत उद्यान का संधारण कर रेशम कृमि पालन का कार्य प्रारंभ किया। फील्ड ऑफिसर रेशम ने बताया कि प्रारंभ में तकनीकी सहायता के लिए रेशम संचालनालय द्वारा उन्हें नर्मदापुरम में प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें रेशम कृमि पालन से जुड़ा एक्सपोजर भी प्रदान किया गया। श्रीमती सुआबाई ने रेशम केन्द्र के अन्य कृषकों एवं विस्तार कृषकों के लिए चॉकी कृमि पालन का कार्य भी आरंभ किया, जिससे क्षेत्र के अन्य किसानों को भी लाभ मिलने लगा।

अपर कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा की

विदिशा (निप्र)। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज कलेक्ट्रेट के बेटतवा सभा कक्ष में आयोजित बैठक में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम तहत दर्ज शिकायतों के निराकरण कार्यों की समीक्षा की है। उन्होंने इस बैठक में समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम तहत जितनी भी शिकायतें दर्ज हैं। उनमें संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा है कि इन शिकायतों का समय सीमा में निराकरण किया जाना सुनिश्चित हो। इसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारी विशेष रूचि लेते हुए कार्यों को संपादन करें। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने स्वास्थ्य, शिक्षा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की लंबित शिकायतों की विभाग वार समीक्षा की। खासकर उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि दो दिवस के भीतर लंबित शिकायतें निराकृत कराई जाना सुनिश्चित करें। खास तौर पर नामांतरण, बंटवारा, खसरा से संबंधित शिकायतें हैं जिनमें विशेष रूचि लेते हुए कार्य करें। इसके अलावा विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतों, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से संबंधित शिकायतों और नल जल योजनाओं से संबंधित शिकायतों की भी गहन समीक्षा इस बैठक में की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि आगामी 28 अप्रैल को समाधान ऑनलाइन की व्हुसी का आयोजन होगा। दो दिन शेष हैं इस समयावधि में समाधान ऑनलाइन की वंबित शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाना सुनिश्चित कर लें।

महिला स्वसहायता समूह से जुड़कर सुधा बनी ''लखपति दीदी''

हरदा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ''लखपति दीदी'' की अवधारणा हरदा जिले में साकार हो रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिला स्वसहायता समूह से जुड़कर जिले के खिरकिया विकासखण्ड के ग्राम बारंगी निवासी सुधा कुल्हारे ''लखपति दीदी'' की श्रेणी में शामिल होकर बहुत खुश है और वह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार प्रकट करती है।

एम.पी. ट्रांसको इंदौर के कार्मिकों ने सीखी जीवन रक्षक तकनीके

इन्दौर (निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) एवं स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स (एस.डी.ई.आर.एफ.) के संयुक्त तत्वावधान में इंदौर के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उपसंभागों एवं सबस्टेशन कार्मिकों के लिए ÷सी.पी.आर. एवं अन्य जीवन रक्षक तकनीकों÷ पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

यह कार्यशाला एम.पी. ट्रांसको के 400 के.वी. सबस्टेशन इंदौर परिसर में आयोजित की गई, जिसकी संयोजक इंदौर की अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना रहीं। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उपसंभाग इंदौर 400 के.वी. सबस्टेशन संभाग इंदौर, परीक्षण एवं स्काडा संभाग इंदौर के लगभग 60 नियमित, संविदा, बाह्य सेवा प्रदाता एवं सुरक्षा कर्मियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का संचालन इंदौर स्थित स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स (एस.डी.ई.आर.एफ.) के विशेषज्ञ - प्रांतीय सिविल ऑफिसर श्री नीलेश डामोर एवं श्री रंगपाल सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने व्यवहारिक और अत्यंत उपयोगी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। श्रीमती नीलम खन्ना एवं कार्यपालन अभियंता श्रीमती नम्रता जैन के सतत प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में सी.पी.आर. प्रशिक्षण हेतु मानव पुतले एवं वीडियो की सहायता से विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक प्रतिभागी ने विशेषज्ञों की निगरानी में मानव पुतले पर सी.पी.आर. तकनीक का अभ्यास किया। साथ ही, शॉक लगने, श्वास नली में किसी वस्तु के फंसने, चोट लगने आदि आपात परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार संबंधी जानकारी भी दी गई।

श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय में वेंटिलेटर की बेसिक ट्रेनिंग का हुआ आयोजन

खण्डवा (निप्र)। नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खंडवा के तृतीय तल पर बने सभाकक्ष में वेंटिलेटर की बेसिक ट्रेनिंग का आयोजन डिन डॉ. संजय दादू एवं सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें बायोमेडिकल इंजीनियर आकाश अग्रवाल तथा कंपनी के इंजीनियर श्री चमन झा द्वारा नर्सिंग ऑफीसरों को प्रशिक्षण दिया गया। उनके द्वारा बताया कि वेंटिलेटर एक जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण है, जो उन मरीजों की मदद करता है, जिन्हें सांस लेने में कठिनाई होती है। यह ऑक्सीजन को फेफड़ों तक पहुंचाने और कार्बन डाइऑक्साइड को बाहर निकलने में मदद करता है। इसके अलावा निमोनिया, गंभीर बीमारियाँ या सर्जरी के दौरान जब मरीज को बेहोश किया जाता है, तब वेंटीलेटर का उपयोग किया जाता है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अधीक्षक डॉ. रंजीत बडोले द्वारा बताया कि वेंटिलेटर एक महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण है, जो गंभीर स्थितियों में जीवन को बचाने में मदद करता है और यह भी सुनिश्चित करता है कि मरीज को पर्याप्त ऑक्सीजन मिले और उसकी सांस लेने की प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रहे। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुनील बाजोलिया तथा डॉ. पंकज जैन सह प्राध्यापक मेडिसिन विभाग, डॉ. विशाल श्रीवास्तव एवं समस्त आपातकालीन मेडिकल ऑफिसर, अस्पताल प्रबंधक कीर्ति धुर्वेकर, सहायक अस्पताल प्रबंधक अभिषेक झा तथा आलोक भूषण, मेट्रन सेल्वी थॉमस सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पितृ पर्वत पहुँचे उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

इन्दौर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल आज दोपहर पितृ पर्वत पहुँचे और वहाँ उन्होंने श्री हनुमानजी के दर्शन एवं पूजा–अर्चना की। इस मौके पर पूर्व विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय भी साथ थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री विजयवर्गीय के साथ सम्पूर्ण मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए कहा कि मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय एवं जागरूक नागरिकों ने एक निर्जन पहाड़ी पर लाखों पौधों का रोपण कर उसे हरियाली में तबदील कर दिया है। जिसे आज हम पितृ पर्वत के नाम से जानते हैं। पितृ पर्वत पर इतना सघन वृक्षारोपण बगैर इच्छा शक्ति के संभव नहीं है, लेकिन श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी इच्छा शक्ति से करके दिखा दिया। पितृ पर्वत आज इंदौर का प्रमुख दर्शनीय स्थल बन चुका है।

फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर ईनाम घोषित

शाजापुर (निप्र)। जिला पुलिस अधीक्षक श्री यशपालसिंह राजपूत ने थाना बेरछा में अपराध क्रमांक 89/2025 में पंजीबद्ध फरार आरोपी दाउद उर्फ इब्राहिम पिता इस्माईल खां निवासी ग्राम चोसला की गिरफ्तारी के लिए 2 हजार रूपये के नगद ईनाम की घोषणा की है। इसी प्रकार थाना बेरछा में अपराध क्रमांक 90/2025 में पंजीबद्ध अपहृता एवं अज्ञात आरोपी की पतारसी के लिए 5 हजार रूपये का नगद ईनाम घोषित किया है। सूचना देने वाले का नाम चाहने पर सर्वथा गोपनीय रखा जायेगा।

जल गंगा संवर्धन अभ्रियान के अंतर्गत प्राचीन बावड़ी की सफाई की गई

उज्जैन (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड महिदपुर द्वारा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन जिला पंचायत ष्टश्वह्र श्रीमति जयति सिंह के निरंतर सहयोग में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत शुक्रवार को नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बपैया सेक्टर क्रमांक 2 卐महिदपुर रोड卐 द्वारा ग्राम बपैया में स्थित अति प्राचीन नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर स्थित बावड़ी पर स्वच्छता अभियान चलाकर उपस्थित जनों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष तूफान सिंह पवांर परामर्शदाता कमलेश व्यास, संजय व्यास, दिलीप सिंह राजपूत, शिवदयाल शर्मा एवं विशेष रूप से ग्राम सरपंच गोपाल सिंह चौहान व ग्रामीण उपस्थित रहे।

यातायात सुधार के लिये कलेक्टर के निर्देश पर कड़ी कार्यवाही

इन्दौर (निप्र)। इंदौर के देवगुराड़िया रेत मंडी के आसपास सड़क पर हाईवा और डंफर खड़े कर यातायात को बाधित किए जाने की लगातार मिल रही शिकायतों पर कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की है। एसडीएम बिचौली श्री अजय भूषण शुक्ला के नेतृत्व में तहसीलदार श्री बलवीर राजपूत, नायब तहसीलदार श्री देवेंद्र कछावा, खनिज निरीक्षक श्री आलोक अग्रवाल, राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं पुलिस बल के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। सड़क पर अवैध रूप से खड़े 8 हाईवा और डंफर को जप्त कर थाना खुड़ैल परिसर में खड़ा किया गया। इन वाहनों के मालिकों पर नियमानुसार कार्यवाही की गई। साथ ही रेत विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी गई कि रेत मंडी की परिधि के भीतर ही वाहनों को खड़ा कर वैधानिक रूप से रेत का विक्रय और परिवहन करें। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध रेत परिवहन और विक्रय के विरुद्ध कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जंग फूड/स्ट्रीट फूड/फास्ट फूड की जांच एवं स्ट्रीट फूड वेंडर को दिया गया प्रशिक्षण

उज्जैन (निप्र)। श्री संदीप यादव आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन मध्यप्रदेश एवं श्री रोशन सिंह कलेक्टर जिला उज्जैन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में विभिन्न स्थानों पर निर्मित, वितरित होने वाले जंक फूड/स्ट्रीट फूड/फास्ट फूड के खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

स्ट्रीट फूड के प्रति लोगों में रूचि बढ़ रही है, ऐसे में जरूरी है कि स्ट्रीट फूड हाईजिनिक एवं गुणवत्तापूर्ण हो। स्ट्रीट फूड खाद्य कारोबारकर्ताओं द्वारा जंक फूड/फास्ट फूड में खाद्य योज्यक (फूड एडिटिव्स) जैसे - मोनो सोडियम, ग्यूटामेट, विनेगर, फ्लेवर, रंग, तेल, नमक आदि का कम से कम उपयोग अथवा सीमित मात्रा में उपयोग करने एवं खाद्य पदार्थों के निर्माण में स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखने के संबंध में खाद्य कारोबारकर्ताओं की जांच कर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

आमजन के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जवाबदार होते हुये तेल, नमक, शक्कर, कृत्रिम रंग एवं मोनो सोडियम, ग्यूटामेट जैसे एडिटिव्स का उपयोग सीमित मात्रा में करने के लिये जागरूक किया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा टॉवर चैक स्थित चैपाटी एवं इंगोरिया स्थित चैपाटी के स्ट्रीट फूड खाद्य कारोबारकर्ताओं की जांच कर उनके द्वारा विक्रय किये जा रहे खाद्य पदार्थों जैसे - न्यूडल्स, मंचुरियन, पिज्जा, पावभाजी, ज्यूस, आलू टिकिया, चीली पनीर आदि के नमूनें लिये गये तथा खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वच्छता एवं उक्त के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने दिए स्पष्ट निर्देश - जल संकट से निपटने जिला स्तर पर बने ठोस कार्ययोजना

इन्दौर (निप्र)। जिला पंचायत इंदौर की साधारण सभा की बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित जल संकट को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को ठोस कार्ययोजना तैयार करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में किसी भी गांव को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, महू विधायक सुश्री उषा ठाकुर, देपालपुर विधायक श्री मनोज पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भरत पटेल, समस्त जिला पंचायत सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय तिवारी सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए निर्दोष नागरिकों की हत्या पर दो मिनट के मौन के साथ हुई। इसके बाद मंत्री श्री सिलावट ने सभी जनप्रतिनिधियों को पंचायत राज दिवस पर ग्रामीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

जल गंगा संवर्धन अभियान पर विशेष ज़ोर : बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। मंत्री श्री सिलावट ने सभी जनप्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के सभी पुराने कुएँ, बावड़ियाँ, नदियाँ एवं स्टॉप डेम्स की सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य शीघ्र आरंभ किया जाए। प्रत्येक पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधि इन कार्यों की निगरानी करें और जनता को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाया जाए।

सुचारू जल आपूर्ति पर रहेगा विशेष ध्यान : मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (क्काश्व) एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक शीघ्र ही बुलाई जाएगी, जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। इस बैठक का उद्देश्य गांव-गांव तक जल आपूर्ति को सुनिश्चित करना तथा संभावित संकट क्षेत्रों की पहचान कर त्वरित समाधान प्रस्तुत करना होगा। बैठक में लोक निर्माण, शिक्षा तथा उद्यानिकी विभागों की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा आवश्यक निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए गए। बैठक का संचालन जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा किया गया, जिन्होंने अंत में सभी जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों का आभार प्रकट किया।

लाडली बहना योजना के हितग्रहियो को अन्य योजनाओ का भी लाभ दिलवाना सुनिश्चित करे

उज्जैन (निप्र)। श्रीमती जयति सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जिला पंचायत सभा कक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग अन्तर्गत मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के हितग्राही जिनको किसी कारणवश प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना का लाभ नही मिल पाया है, ऐसी लाड़ली बहनों को चिन्हाकित कर उसकी सूची तैयार कर बैंक द्वारा प्रकरण तैयार उन्हें शतप्रतिशत उक्त योजनाओं का लाभ देने हेतु निर्देशित किया गया एवं प्रवेश उत्सव शाला में पहला कदम अभियान 2025-26 अन्तर्गत स्कूलों में दिनांक 01 अप्रैल 2025 से नवीन शिक्षा सत्र का शुभारंभ हुआ है।

जिसमें उज्जैन जिले के समस्त आंगनवाडी केन्द्रो से ऐसे बच्चें जिनका जिला शिक्षा केन्द्र जिला उज्जैन अन्तर्गत शासकीय स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश होना है। उक्त अभियान का सुचारू संचालन हेतु समीक्षा बैठक ली गई, बैठक में श्री बलराम बैरागी, लीड बैंक मैनेजर, बैंक ऑफ़ इंडिया जिला उज्जैन, श्री अशोक त्रिपाठी, जिला समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र जिला उज्जैन, समस्त परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग उज्जैन, समस्त परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, समस्त बीआरसी उपस्थित रहे।

सिंगोट एवं पाडल्या सेक्टर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली गयी

खण्डवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना पंधाना के अंतर्गत सेक्टर सिंगोट एवं पाडल्या आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री विक्रांत दामले द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से महिला एवं बाल विकास विभाग में संचालित विभिन्न कार्यक्रम मिशन आंचल अभियान, मिशन नींव अभियान एवं सुकन्या समृद्धि योजना की समीक्षा की गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा मिशन आंचल अभियान के अंतर्गत सभी सेम एवं मेम बच्चों को स्थानीय प्रबुद्ध जनों को गोद दिलाने एवं पौष्टिक आहार के संबंध में सभी कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। मिशन नींव के अंतर्गत सभी कार्यकर्ताओं से आंगनवाड़ी केंद्रों पर 3 से 6 वर्ष के बच्चों को व्हाट्सएप ऐप पर प्राप्त खेल वीडियो के आधार पर बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा प्रदान किए जाने पर चर्चा की गई। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत सभी बालिकाओं को आवश्यक रूप से खाता खोले जाने के संबंध में केंद्र बार समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पोस्ट ऑफिस एवं बैंकों द्वारा आयोजित कैंपों में सहयोग कर आंगनवाड़ी केंद्र पर पंजीकृत 0 से 6 वर्ष की बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि योजना के खाता खोले जाने हेतु निर्देशित किया गया। सी सेम कार्यक्रम की समीक्षा में जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि सभी सेम एवं मेम बच्चों को विभाग की संपर्क एप्लीकेशन के सी सेम मॉड्यूल में आवश्यक रूप से दर्ज किया जाए एवं उनके फॉलो अप दर्ज किए जाएं।

नशे के कारण व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है - दिलावर सिंह

खण्डवा (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खण्डवा के अध्यक्ष व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती ममता जैन के मार्गदर्शन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खण्डवा के जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दिलावर सिंह की उपस्थिति में ग्राम रोशनाई में आज गुरूवार 24 अप्रैल, 2025 को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम के सरपंच श्री राज ढाकसे एवं उपसरपंच रामलाल गिन्नारे, सहायक सचिव श्री शैलेन्द्र कनारे व पैरालीगल वालंटियर्स श्री गणेश कनाडे सहित ग्रामवासीगण उपस्थित थे।

शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दिलावर सिंह द्वारा बताया गया कि नशा मनुष्य के विनाश का कारण है। यह मनुष्य को आर्थिक, मानसिक व सामाजिक रूप से कमजोर करता है। नशा कहीं न कहीं अपराध का जनक होता है, जिसके प्रभाव से मनुष्य अपना मानसिक संतुलन खो कर अपराधिक गतिविधि की तरफ बढ़ जाता है। घरों में घरेलू हिंसा छोटे बच्चों से मारपीट जैसी घटनाऐं नशे के कारण ही उत्पन्न होती हैं। नशे के कारण मनुष्य का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। इसलिए हम सभी को नशे से दूर रहना है। इसी के साथ उनके द्वारा नशे के दुष्परिणाम, नेशनल लोक अदालत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजना एवं विभिन्न कानून की जानकारी दी गयी। इस अवसर पर पैरालीगल वालंटियर्स श्री गणेश कनाडे द्वारा भी विधिक सेवा योजना के संबंध में जानकारी दी गयी।

खंडवा में उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए एमएसएमई विभाग द्वारा आयोजित हुई कार्यशाला

खण्डवा (निप्र)। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र खण्डवा और लघु उद्योग निगम के तत्वावधान में खण्डवा में गुरूवार को प्रातः 11 बजे कलेक्टोरेट सभागृह में लघु उद्योग भारती के सहयोग एवं रैंप योजनान्तर्गत नवीन तकनीक को अपनाते हुए उद्योगों की कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खण्डवा की प्रबंधक सुश्री सपना विजयकर द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर उद्योगों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं विस्तार के लिए रैंप नाम से कार्यशाला का आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष में किया गया, जिसके अंतर्गत मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में आयोजित कार्यशाला में एमएसएमई पॉलिसी मास्टर ट्रेनर श्री धनंजय शुक्ला, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र खरगोन द्वारा विभागीय योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। लीन प्रबंधन एवं बौध्दिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ श्री आदित्य शर्मा द्वारा जानकारी प्रदान की गई। इसी प्रकार क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के ÷जीरो डिफेक्ट एवं जीरो इफेक्ट÷ ट्रेनर श्री प्रफुल्ल द्विवेदी ने जीरो डिफेक्ट एवं जीरो इफेक्ट संबंधी जानकारी दी।

कार्यशाला में चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इण्डस्ट्रीज के सचिव श्री संतोष गुप्ता, कई उद्योगपति एवं नव उद्यमी, अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजय करोड़ी जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के प्रभारी प्रबंधक श्री अमित दुबे एवं श्री गौरव गेंदर, सहायक प्रबंधक श्री चंचल ठाकरे, श्री अजितेश आर्य एवं नीरज बमनका भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री सुदर्शन दुबे, जिला समन्वयक सेडमेप, खरगोन द्वारा किया गया। अंत में आभार जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के प्रभारी प्रबंधक श्री गौरव गेंदर ने माना।

बेहतर पर्यावरण के लिये जिला स्तरीय योजना बनायी जाये : श्री रणदा

इन्दौर (निप्र)। संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा की अध्यक्षता में एआईसीटीएसएल सभागृह में आज जिला पर्यावरण नियोजन में जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास को समाहित करने संबंधी संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) तथा द क्लाईमेट ग्रुप द्वारा आयोजित की गई थी। कार्यशाला में इंदौर सहित खंडवा, बुरहानपुर, आलीराजपुर, झाबुआ, धार, खरगोन, बड़वानी जिलों के राजस्व विभाग, वन विभाग, कृषि विभाग, लोक यांत्रिकी विभाग, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा उद्यानिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं शहरी प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री रणदा ने कहा कि पृथ्वी का तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिसका प्रभाव मनुष्यों और पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। वर्ष 2015 में आयोजित पेरिस सम्मेलन में कहा गया कि पृथ्वी तेजी से गर्म हो रही है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इसका जिम्मेदार कहीं न कहीं हमारा समाज ही है, क्योंकि मनुष्य प्रकृति का दोहन करने की बजाय उसका शोषण अधिक कर रहा है। इस वजह से वर्षा का चक्र बदल चुका है। हवा, पानी और मिट्टी तीनों प्रदूषित हो चुकी है।

कार्बन का अधिक उत्सर्जन हो रहा है। वातावरण में आये इस परिवर्तन को ही जलवायु परिवर्तन कहा गया है। अगर हम अब भी नहीं चेते तो, आने वाली पीढ़ी कभी भी हमें माफ नहीं करेंगी। श्री रणदा ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने जिले का पर्यावरण प्लान बनायें, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, जल गुणवत्ता प्रबंधन योजना, घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन योजना, औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन योजना, वायु सूचकांक प्रबंधन योजना, ध्वनि प्रदूषण प्रबंधन योजना आदि विषय हों।

क्लाईमेट ग्रुप दिल्ली की विषय विशेषज्ञ सुश्री शिखा धवन ने पावरपाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से हो रहे दुष्प्रभावों को रेखांकित करते हुए कहा कि बढ़ती आबादी, जंगलों का कटाव, नरवाई के जलाने, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और बढ़ते वाहनों की संख्या से प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है।

एप्को के विषय विशेषज्ञ श्री रवि शाह ने कहा कि बेहतर पर्यावरण के लिए सभी विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं, लेकिन कौन क्या कर रहा है, इसको लेकर ही यह कार्यशाला आयोजित की गई। ताकि हम अपने विचार एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में रामसर साईट के तहत पाँच वैटलेंड भूमि है, जो कार्बन को अवशोषित करने का कार्य कर रही है। इसलिए हमें छोटी-छोटी जल संरचनाओं को संरक्षित करना जरूरी है।

विषय विशेषज्ञ श्री वैभव कुमार ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अविनाश करेरा ने कहा कि घरेलू कचरे को छांटना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन इस कार्य को इंदौर नगर निगम बहुत अच्छे से कर रहा है, इसके लिए वह बधाई के पात्र है। किसी भी कचरे को रियूज और रिसाईकल करके हम प्राकृतिक स्त्रोतों को कुछ हद तक बचा सकते हैं।

कलेक्टर ने क्षिप्रा शुद्धिकरण के लिए हवनखेड़ी, अनवटपुरा सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों का किया निरीक्षण

देवास (निप्र)। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने क्षिप्रा जल शुद्धिकरण के तहत क्षिप्रा नदी में नागधम्मन नदी द्वारा मिलने वाले गंदे पानी को रोकने हेतु ग्राम हवनखेडी, अनवटपुरा, राजीवनगर, रसूलपुर, लोहार पीपल्या, बिंजाना, मेसर्स राज पायोनियर प्रा.लि. मेसर्स सन फार्मासुटिकल्स लिमिटेड एवं औद्योगिक क्षेत्र क्रमांक 1, 2, 3 के पीछे की भूमि जहाँ से नागधम्मन नदी के प्राकृतिक जल का निकासी मार्ग है का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गंदे पानी को नागधम्मन नदी में मिलने से रोकने के लिए किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने इस संबंध में राजीव नगर, अमोना, शांति नगर के रहवासी बस्तियों से निकलन वाले दूषित जल को उपचारित करने के लिए नगर निगम को निर्देश दिये। उन्होंने प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड को ग्राम हवनखेडी एवं बिंजाना क्षेत्र के सेंपल लेकर जाँच करने के निर्देश दिये।

निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन में 57 कन्याओं के निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन समारोह का आयोजन हुआ

26 अप्रैल को जिला राजगढ़, तहसील नरसिंहगढ़ ब्यावरा विधानसभा के ग्राम बड़ोदिया जागीर में माँ विंध्यवासिनी बड़ली माता मंदिर में लोधा लववंशी क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित आदर्श निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन में 57 कन्याओं के निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन समारोह का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल जी पंचायत मंत्री, म.प्र के मंत्री श्री Panwar नारायणसिंह पंवार जी ,पूर्व निगम अध्यक्ष लोधा लोधी समाज राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री कोकसिंह नरवरिया जी ,राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामगोपाल राजपूत जी ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,श्री रघुवीरसिंह लोधा जी भोपाल ,नरसिंहगढ़ विधायक श्री मोहन शर्मा जी ,जिला पंचायत अध्यक्ष श्री चन्दरसिंह सोंधिया जी ,पूर्व मंत्री श्री बद्रीलाल यादव जी ,पूर्व विधायक श्री रघुनंदन शर्मा जी ,पूर्व विधायक श्री रामचंद्र दांगी जी ,पूर्व विधायक श्री पुरषोत्तम दांगी जी ,पूर्व प्रदेश कार्यकारणी सदस्य श्री यादव जी ,जिला पंचायत सदस्य श्री पर्वत यादव जी , पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री जसवंत गुर्जर जी ,भाजपा जिला महामंत्री श्री पंडित अमित शर्मा अमित शर्मा जी ,सुठालिया नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री ,श्री रामनारायण डांगी जी ,प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अमृतलाल लोधा जी ,प्रदेश महामंत्री श्री प्रीतमसिंह लोधी जी , गोपाल बादशाह जी श्री रामगोपाल दांगी जी सहित सभी स्वजातीय वरिष्ठ एवं युवा बंधुओं ने भाग लिया सभी ने संबोधित कर एक अच्छे सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाए दी।

पधारे हुये सभी अथितियों का लोधा लववंशी क्षत्रिय युवा समाज के प्रदेश अध्यक्ष और सम्मेलन अध्यक्ष इन्दरसिंह लववंशी ने पूरी युवा टिम की ओर से पधारे सभी अथितियों का बहुत बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

पिछड़े वर्ग के छात्रों के सेंट्रल जाति प्रमाण पत्र की वैधता 5 साल की कराई जाएगी

मीना समाज शक्ति संगठन की बैठक में लिया निर्णय

ब्यावरा। मीणा समाज शक्ति संगठन ने प्रदेश स्तरीय बैठक में फैसला लिया कि पिछड़े वर्ग के छात्रों के सेंट्रल जाति प्रमाण पत्र की वैधता 5 साल की कराई जाएगी। अभी यह प्रमाण पत्र 1 साल के लिए बनते हैं। इसके लिए संगठन ज्ञापन देने, आंदोलन और प्रदर्शन करेगा। बैठक गांधी भवन में हुई। इसमें प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्याम मीणा और प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार पटेल ने प्रस्ताव रखा। महामंत्री माखन मीणा ने बताया कि 1 मई से प्रदेश में सदस्यता अभियान शुरू होगा। इसमें सामान्य और सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे। प्रदेश प्रवक्ता घनश्याम रावत ने कहा कि जून और जुलाई में कार्यकारिणी का गठन होगा। इस बार प्रदेश का प्रशिक्षण वर्ग गांधी सागर डेम पर आयोजित किया जाएगा। मीणा समाज के जिलों के अभ्यास वर्ग अगस्त में होंगे। प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सितंबर में होगा। संगठन स्थापना दिवस पर पूरे प्रदेश में कुल गोत्र के पौधों का रोपण कर गोत्र वाटिका बनाई जाएगी। मीणा समाज मध्य प्रदेश के पिछड़े वर्ग में आता है। समाज 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने की लड़ाई भी लड़ेगा। बैठक में भोपाल अध्यक्ष जितेंद्र मीणा, गुना अध्यक्ष पुरुषोत्तम मीणा, प्रांतीय संयोजक रूप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष रामगोपाल मीणा सहित कई जिलों के पदाधिकारी शामिल हुए। संगठन विस्तार के लिए प्रदेश को चार प्रांतों में बांटा गया है। मध्य भारत, मालवांचल, नर्मदांचल और चंबल प्रांत बनाए गए हैं। इससे संगठन का विस्तार और प्रवास कार्य आसान होगा।

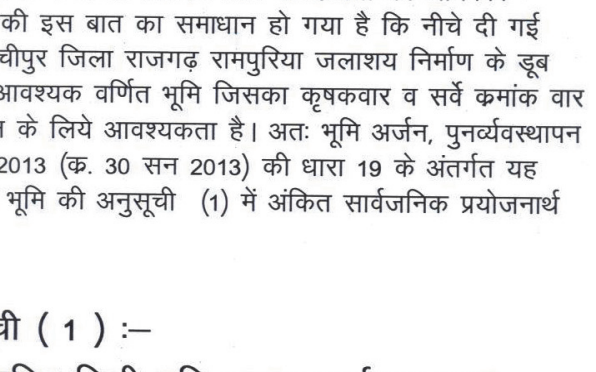

जलगंगा संवर्धन - जिले की जल विरासतों को सहजने का अभियान

जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हो रहे हैं जल संरक्षण का कार्य

राजगढ़। राजगढ़ जिला ऐतिहासिक विरासतों से परिपूर्ण जिला है। यहां प्राचीन राजमहल एवं पुरानी बावडी अपने समृद्ध इतिहास को बयां करती हैं। जल संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा इन ऐतिहासिक बावडियों की साफ-सफाई कर इनके जीर्णोद्धार का कार्य कर हाथ में लिया गया है। जीर्णोद्धार उपरांत ये बावडियां अपने समृद्ध इतिहास की जीवंत तस्वीर बन सकेंगी। जिन बावडियों का जीर्णोद्धार का कार्य हाथ में लिया है। उनमें राज्य पुरातत्व विभाग से सूचीकृत मोरपीपली की बावडी, माचलपुर की चोर बावड़ी, हाडीरानी की बावडी एवं सेमली जागीर की बावड़ी शामिल है। इसके अलावा नरसिंहगढ स्थित उम्मेदा बाई की बावडी एवं छतरी सहित राजगढ के राजमहल स्थित बावडी के जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के नगरीय क्षेत्रों में जल संवर्धन अभियान अंतर्गत प्याऊ की स्थापना भी की जा रही है। जिसके तहत प्रत्येक नगरीय क्षेत्र के हर वार्ड में एवं सार्वजनिक स्थानों पर 300 प्याऊ स्थापित करने का लक्ष्य है। वहीं नदियों के कटाव को रोकने के लिए नगरीय क्षेत्रों में 5 एकड़ में हरित क्षेत्र भी जल संवर्धन अभियान अंतर्गत तैयार किया जा रहा हैं। जिला शहरी विकास परियोजना अधिकारी सुश्री निधि भारद्वाज बताती हैं कि अभियान अंतर्गत सभी नगरीय क्षेत्रों में शासकीय एवं बडे भवनों की रैन वाटर हारवेस्टिंग संरचनाओं के सुधार का कार्य भी हाथ में लिया गया है, ताकि बरसात के सीजन में इन संरचनाओं से भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हो सके। आमजन में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के लिए सभी नगरीय क्षेत्रों में नल कनेक्शनों में आवश्यक रूप से टोंटी लगाने का कार्य भी अभियान अंतर्गत किया जा रहा है। साथ ही नगरों में जल कर की वसूली पर भी जोर दिया गया है। जिला शहरी अभिकरण प्रत्येक नगरीय निकाय में नियमित प्रतिदिन जल आपूर्ति सुनिश्चित करने लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा अभियान में आमजन की सामूदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक नगरीय क्षेत्र में बिगडे बाग बगीचों का भी उन्नयन किया जा रहा है। यह बाग बगीचे अरवन फारेस्ट के रूप में विकसित होगे। जिनसे शहरी क्षेत्रों का पारिस्थितिक तंत्र भी मजबूत होगा।

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में समूचे जिले में किए जा रहे हैं जल संवर्धन के कार्य

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा समूचे जिले में अभियान अंतर्गत जल संवर्धन के कार्य हाथ में लिए गए है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत महीप किशोर तेजस्वी के अनुसार मनरेगा योजनान्तर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित कुल 2178 कार्यो को अभियान अवधि में पूर्ण करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उक्त लक्ष्य अनुसार पूर्व वर्षो के अपूर्ण कुल 3523 कार्यो को पूर्ण करने हेतु चयन किया किया गया। जिसमें से 408 कार्यो को पूर्ण किया जा चुका है शेष कार्यो को 30 जून, 2025 के पूर्व भौतिक रूप से पूर्ण कर लिए जाएंगे। जिससे कि वर्षा का जल उक्त संरचनाओं में एकत्रित किया जा सके। इसी तरह मनरेगा योजना अंतर्गत कुल 18 अमृत सरोवर तालाब निर्माण का लक्ष्य शासन से प्राप्त हुआ है, लक्ष्य अनुसार सभी 18 तालाब का स्थल चयन किया जाकर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

मनरेगा योजनान्तर्गत जल संरक्षण हेतु कुल 1866 खेत तालाब निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है उक्त लक्ष्य अनुसार जिले में 324 खेत तालाब के कार्यो का स्थल चयन किया जाकर 273 कार्यो को प्रारंभ कर मस्टर रोल जारी किये जा चुके हैं। जिले को मनरेगा योजनान्तर्गत जल संरक्षण हेतु कुल 3500 कूप रिचार्ज निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है उक्त लक्ष्य अनुसार जिले में पूर्व से निर्मित 3500 कूप का चयन किया जा कर 734 पर कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। विभाग द्वारा जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने पर जोर दिया गया इसी क्रम में भारत सरकार के MY Bharat पोर्टल में जिले के कुल 90911 युवाओं का रजिस्ट्रेशन Youth Volunteer for Bharat में कराया गया एवं युवाओ द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यो में भाग लेकर पोर्टल पर फोटोग्राफ अपलोड किये गए। अतिरिक्त प्रयास जिले में कुल 68 नवीन तालाब का स्थल चयन कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है7

जन अभियान परिषद निभा रही है जल संवर्धन अभियान में सक्रिय भूमिका

जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने में जिले के जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक प्रस्फुटन समितियां, नवांकुर संस्थाएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक प्रवीण सिंह पंवार ने बताया कि अभियान के प्रति आमजन में जन जागरूकता लाने की गतिविधियों के तहत अभी तक 140 ग्राम पंचायतों में प्रभातफेरियां, जागरूकता रैली, ग्राम सभाएं एवं चौपाल तथा नुक्कड नाटको का आयोजन किया जा चुका है। इसी तरह जन सहभागिता से 64 ग्राम पंचायतों में 04 बोरी बंधान/चैक डेम, 43 सोख्ता गडडों तथा 62 अन्य जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही 158 ग्राम पंचायतों में नदियों, तालाबों एवं कुआ बावड़ियों की साफ-सफाई का कार्य किया गया है। अभियान के प्रति लोगों में रूचि जागृत करने के उददेश्य से नारा लेखन एवं कलात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। अभियान का परंपरागत माध्यमों एवं विभिन्न मीडिया प्लेटफार्म पर व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया गया है। अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है।

एआई से होगी अवैध खनन की निगरानी, प्रदेश की 7502 खदानों की हुई जियो टेगिंग

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम के लिये ऑर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस (एआई)का उपयोग कर खनन निगरानी प्रणाली विकसित की जा रही है। इस प्रणाली के अंतर्गत प्रदेश की समस्त स्वीकृत 7502 खदानों की जियो टेगिंग कर खदान क्षेत्र का सीमांकन किया जा चुका है। सैटेलाइट इमेज एवं रिमोट सेंसिंग टेक्नोलॉजी की सहायता से प्रदेश में हो रहे अवैध उत्खनन एवं भंडारण पर निगरानी रखी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रणाली खदान क्षेत्र के बाहर हो रहे अवैध उत्खनन का पता लगाने में सक्षम होगी। इसके अंतर्गत एक निश्चित समय अंतराल पर सतत रूप से प्राप्त सेटेलाइट इमेजेस का विश्लेषण कर सिस्टम द्वारा राज्य एवं जिला प्रशासन को अलर्ट भेजे जायेंगे। क्षेत्रीय अमले द्वारा मोबाइल ऐप से परीक्षण एवं निरीक्षण कर पोर्टल अथवा मोबाइल ऐप पर रिपोर्ट दर्ज कर प्रकरण पंजीबद्ध किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर खदान या उसके बाहर ड्रोन सर्वे कर वॉल्युमेट्रिक एनालिसिस से वास्तविक उत्खनित मात्रा का पता लगाकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कर अर्थदण्ड अधिरोपित करने की परियोजना भी प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खनिजों के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिये नवीन तकनीक एआई पर आधारित मानव-रहित चेक-गेट पूरे प्रदेश में स्थापित किये जा रहे हैं। प्रदेश में 41 ऐसे स्थल चिन्हांकित किये गये हैं, जहाँ से खनिज परिवहन करने वाले वाहनों का सर्वाधिक आगमन होता है। चेक-गेट स्थापित करने के लिये टेण्डर के माध्यम से रेल टेल कॉर्पोरेशन को सर्विस प्रोवाइडर के रूप में चयनित किया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर जल बचाने का संदेश दिया

राजगढ़। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सारंगपुर के द्वारा संचालित सीएमसीएलडीपी कोर्स के छात्र-छात्राओं ने रविवार को मानव श्रृंखला बनाकर यह संदेश दिया कि हम किस प्रकार जल को बचा सकते हैं और हमारे भविष्य के लिए जल कितना आवश्यक है। इसके लिए सभी छात्र-छात्राओं ने शपथ ली कि हम जल को बचाएंगे और जल की सुरक्षा के लिए बावड़ी तालाब नदी गहरी करण कार्यक्रम भी कर रहे। साथ ही नल का पानी नालीयों में व्यर्थ न बहाकर उसमें टोंटी भी लगाई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सारंगपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण एवं अधोसंरचना निकाय के कार्यो का भूमि पूजन एवं लोकार्पण करेंगे

राजगढ़। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 अप्रैल को जिले के सारंगपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत जल संरक्षण एवं अधोसंरचना विकास के विभिन्न कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। श्री कपिलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में अपराह्न तीन बजे से आयोजित कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिले के प्रभारी एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम चैतन्य कुमार काश्यप, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कौशल विकास एवं रोजगार विभाग गौतम टेटवाल, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग नारायण सिंह पंवार, सांसद रोडमल नागर, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद उपाध्यक्ष मोहन नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष चन्दर सिंह सौंधिया, विधायक राजगढ़ अमर सिंह यादव, खिलचीपुर विधायक हजारीलाल दांगी, विधायक नरसिंहगढ़ मोहन शर्मा, सदस्य दिशा ज्ञानसिंह गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री देव नागर होंगे।

कार्यालय कलेक्टर, जिला राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

प्र. क./01/अ–82/2024–25 राजगढ़, दिनांक 24/04/2025

(अंतर्गत धारा – 19 भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्था में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 क. 30 सन् 2013) चूंकि राज्य शासन की इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची कमाक 1 में रामपुरिया जलाशय तहसील खिलचीपुर जिला राजगढ़ रामपुरिया जलाशय निर्माण के डूब क्षेत्र ,पाल एंव वेस्टवियर में प्रभावित होने से प्रकरण मे आवश्यक वर्णित भूमि जिसका कृषकवार व सर्वे कमांक वार विवरण अनुसूची (2) में उल्लेखित है सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्व्यवस्थापन उचित प्रतिकर ओर पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क. 30 सन 2013) की धारा 19 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि निम्न वर्णित अनुसूची (2) की भूमि की अनुसूची (1) में अंकित सार्वजनिक प्रयोजनार्थ आवश्यकता है।

–: अनुसूची (1) :–

रामपुरिया तालाब के डूब क्षेत्र मे प्रभावित निजी भूमि का भू–अर्जन प्रकरण

स.क.	विवरण	अर्जित की जाने वाली भूमि का रकबा हेक्टेयर		
		कुल सर्वे नं.	कुल रक्बा	प्रभावित रकबा (हेक्टे.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	रामपुरिया	9	4.037	0.970
	कुलयोग :–	9	4.037	0.970

–: अनुसूची (2) :–

रामपुरिया तालाब के डूब क्षेत्र एवं वेस्टवियर में प्रभावित भूमि :– ग्राम रामपुरिया

स.क.	प्रभावित कृषक का नाम	खसरा नंबर	कुल रकबा (हेक्टे.)	शेष प्रभावित रकबा (हेक्टे.)
1	2	3	4	5
1	देवेन्द्र पिता नारायणसिंह नाबा. सरपरस्त माता अनुसुईयाबाई पति नारायणसिंह जाति सौधिया नि. ग्राम भू–स्वामी	17/13/1	0.119	0.038
	योग	1	0.119	0.038
2	रतन उर्फ रतनसिंह पिता कालूसिंह जाति सौधिया नि. ग्राम भू–स्वामी	17/21	0.745	0.097
	योग	1	0.745	0.097
3	कालूसिंह पिता रामलाल जाति सौधिया नि. ग्राम भू–स्वामी	17/30	0.133	0.012
	योग	1	0.133	0.012
4	बल्लभबाई पति अनारसिंह जाति सौधिया नि. ग्राम भू–स्वामी	17/39/1	0.511	0.126
	योग	1	0.511	0.126
5	बालूसिंह पिता धूलजी जाति सौधिया नि. ग्राम भू–स्वामी	17/40	1.265	0.178
	योग	1	1.265	0.178
6	भेरूसिंह पिता रामलाल जाति सौधिया नि. ग्राम भू–स्वामी	17/41/1 17/41/3	0.212 0.420	0.202 0.103
	योग	2	0.632	0.305
7	कमलाबाई पति बीरमसिंह जाति सौधिया नि. ग्राम भू–स्वामी	17/41/2 17/41/4	0.212 0.420	0.177 0.037
	योग	2	0.632	0.214
	कुल योग :–	9	4.037	0.970

नोट :– भूमि के नक्शे (प्लान) आदि का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी, एवं भू–अर्जन अधिकारी (राजस्व) खिलचीपुर–जीरापुर जिला राजगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है।

(डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा)
कलेक्टर
जिला राजगढ(ब्यावरा)म.प्र.

G-12032/25

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक अरूण कुमार पटेल द्वारा अरुण ऑफसेट प्रिंटर्स, द मॉल शॉपिंग काम्प्लेक्स, कोलार रोड भोपाल से मुद्रित कराकर आनंद विद्या भारती स्कूल के सामने सिराज उद्दीन खान म.नं. 5 जिला राजगढ़ से प्रकाशित। **संपादक:** अरुण कुमार पटेल, **स्थानीय संपादक: इफ्तेखार उद्दीन खान,** मो. 9977442619 उप संपादक : कमरुद्दीन खॉन मो. 9425442435(समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र राजगढ़ होगा।)